Downloaded from www.studiestoday.com

खण्ड-ख

(व्याकरण)

शब्द निर्माण- उपसर्ग-प्रत्यय

उपसर्ग

उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के पूर्व लगकर उस शब्द का अर्थ बदल देते हैं या उसमें नई विशेषता उत्पन्न कर देते हैं।

जैसे:- कु + पुत्र = कुपुत्र।

यहाँ 'कु' शब्दांश 'पुत्र' के साथ बैठकर नया शब्द गढ़ देता हैं। ध्यान रहे कि 'कु' शब्दांश है, शब्द नहीं। शब्द वाक्य में स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त हो सकता है, शब्दांश नहीं। शब्दांश तो किसी शब्द के साथ जुड़कर ही नए अर्थ की रचना में सहायक होता है।

प्रश्न - अभ्यास

(i) निम्नलिखित शब्द में कौन - सा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है-

१. उन्नत

क) उन्न (ख) उत्

(ग) उन् (घ) उत

२. निर्गुण

क) नि (ख) निर्गु

(ग) निर् (घ) र्नि

३. उद्योग

(क) उत् (ख) उद्

(ग) उ (घ) उय

४. निश्छल

(क) नि: (ख) निश्

(ग) निस् (घ) नि

आ. निम्नलिखित उपसर्ग से निर्मित शब्द छाँटिए-

1. परि

(क) प्रगति (ख) परित

(ग) परिचय (घ) परिंदा

2. निर्

(क)नियम (ख)निषेध

(ग) निपात (घ)निर्जन

(इ) निम्नलिखित में मूल शब्द कौन-सा है-

१. अभिजात

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) अभि (ख) अभिज

(ग) जात (घ) अभिजा

२. न्यून

(क) यून (ख) ऊन

(ग) न्यु (घ) न्यू

३. स्वच्छ

(क) स्वा (ख) वच्छ

(ग) अच्छ (घ) छ

(ई) निम्नलिखित में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग कीजिए-

१. प्रबल

(क) पर + बल (ख) पर् + बल

(ग) प + र्बल (घ) प्र + बल

२. अनुभव

(क) अन + उभव (ख) अनु + भव

(ग) अनू + भव (घ) अम् + उभव

३. धार्मिक

(क) धार्म + इक (ख) धरम + इक

(ग) धाम + ईक (घ) धर्म + इक

(उ) निम्नलिखित में से किस शब्द में रेखांकित उपसर्ग नहीं है-

१. अनु

(क) अनुभव (ख) अनुमान

(ग) अनुवाद (घ) अनादर

२. कु

(क) कुमार्ग (ख) कुरूप

(ग) कुबुध्दि (घ) कुरूक्षेत्र

३.अव

(क) अवगुण (ख) अवनति

(ग) अवतरण (घ) अवता

प्रत्यय

जो शब्दांश धातु रूप या शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं,उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

जैसे-महान+ता=महानता

महानता शब्द में 'ता' प्रत्यय है।

प्रत्यय मुख्यत: दो प्रकार के होते है-

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(१)कृत प्रत्यय
(२)तध्दित प्रत्यय

(१) कृत प्रत्यय

जो प्रत्यय क्रिया के मूल धातु-रूप के साथ लगकर संज्ञा और विशेषणों का निर्माण करते हैं, वे कृत प्रत्यय कहलाते हैं।जैसे- पढ़ाई = पढ़ + आई। इसमें 'आई' प्रत्यय है।
कुछ अन्य उदाहरण-

शब्द	धातुरूप	प्रत्यय
होनहर	हो	ना + हार
सजावट	सज	आवट
पठनीय	पठ	नीय

(२) तध्दित प्रत्यय

जो प्रत्यय क्रिया के धातु-रूपों को छोड़कर अन्य शब्दों-जैसे संज्ञा, विशेषण,सर्वनाम आदि के साथ लगकर नए शब्द बनाते हैं, वे तध्दित प्रत्यय कहलाते हैं।

जैसे-बंगाल + ई =बंगाली। यहाँ 'ई' तध्दित प्रत्यय है,क्योंकि यह बंगाल नामक प्रत्यय के साथ मिलकर नया शब्द बना रहा है।

कुछ अन्य उदाहरण-

1. भूख + आ = भूखा
2. बुरा + आई = बुराई
3. चमक + ईला = चमकीला
4. गुण + वान = गुणवान

(क) निम्नलिखित शब्द में कौन-सा प्रत्यय है-

१. पारलौकिक

(क) इक (ख) ईक
(ग) लौकिक (घ) लोक

२. ईमानदारी

(क) ईमान (ख) दार
(ग) बेईमान (घ) बेईमानी

३. घुमक्कड़

(क) क्कड़ (ख) कड़
(ग) मक्कड़ (घ) अक्कड़

४.मिलावट

(क) मिल (ख) वट
(ग) आवट (घ) लावट

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(ख)निम्नलिखित में मूल शब्द कौन-सा है-

१.अपमानित

(क) अपमान (ख) मान

(ग) नत (घ) अप

२. संभव

(क) सम् (ख) संभ

(ग) साव (घ) भव

३.भौतिकता

(क) भौतिक (ख) भू

(ग) भूत (घ) भौ

(ग)निम्नलिखित प्रत्यय से निर्मित शब्द निम्नलिखित में से नहीं है-

१. ईय

(क) पर्वतीय (ख) स्थानीय

(ग) जातीय (घ) पापनीय

२. ई

(क) घंटी (ख) पहाड़ी

(ग) रस्सी (घ) चौड़ाई

३. हार

(क) सुनार (ख) पनिहार

(ग) खेवनहार (घ) मनिहार

४. ईला

(क) नीला (ख) हठीला

(ग) खर्चीला (घ) ज़हरीला

उपसर्ग

उत्तर- अ. १. (ख) २. (ग) ३. (क) ४. (क)

आ १. (ग) २. (घ)

इ १. (ग) २. (ख) ३. (ग)

ई १. (घ) २. (ख) ३. (घ)

उ १. (घ) २. (घ) ३. (घ)

प्रत्यय

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) १. (क) २. (ख) ३. (घ) ४. (ग)

(ख) १. (क) २. (घ) ३. (ग)

(ग) १. (घ) २. (घ) ३. (क) ४. (क)

समास

समास का तात्पर्य है 'संक्षिप्तीकरण'। दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं। जैसे-'रसोई के लिए घर' इसे हम 'रसोईघर' भी कह सकते हैं।

सामासिक शब्द-

समास के नियमों से निर्मित शब्द सामासिक शब्द कहलाता है। इसे समस्तपद भी कहते हैं। समास होने के बाद विभक्तियों के चिह्न (परसर्ग) लुप्त हो जाते हैं। जैसे- राजपुत्र।

समास-विग्रह-

सामासिक शब्दों के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास-विग्रह कहलाता है। जैसे-राजपुत्र-राजा का पुत्र।

पूर्वपद और उत्तरपद-

समास में दो पद (शब्द) होते हैं। पहले पद को पूर्वपद और दूसरे पद को उत्तरपद कहते हैं। जैसे-गंगाजल। इसमें गंगा पूर्वपद और जल उत्तरपद है।

समास के भेद

समास के छः भेद हैं-

1. अव्ययीभाव समास।
2. तत्पुरुष समास।
3. कर्मधारय समास।
४. व्दिगु समास।
५. द्वंद्व समास।
६. बहुव्रीहि समास।

1. अव्ययीभाव समास

जिस समास का पहला पद प्रधान हो और वह अव्यय हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। जैसे- यथामति (मति के अनुसार), आमरण (मृत्यु तक) इनमें 'यथा' और 'आ' अव्यय हैं।

कुछ अन्य उदाहरण-

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आजीवन - जीवन-भर,
यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार,
यथाक्रम - क्रम के अनुसार,
हररोज़ - रोज़-रोज़,
रातोंरात - रात ही रात में,
बेशक - शक के बिना,
निस्संदेह - संदेह के बिना,
यथासामर्थ्य - सामर्थ्य के अनुसार
यथाविधि - विधि के अनुसार
भरपेट -पेट भरकर
हाथोंहाथ - हाथ ही हाथ में
प्रतिदिन - प्रत्येक दिन
निडर - डर के बिना
हरसाल - हरेक साल

अव्ययीभाव समास की पहचान- इसमें समस्त पद अव्यय बन जाता है अर्थात समास होने के बाद उसका रूप कभी नहीं बदलता है। इसके साथ विभक्ति चिह्न भी नहीं लगता। जैसे-ऊपर के समस्त शब्द है।

2. तत्पुरुष समास

जिस समास का उत्तरपद प्रधान हो और पूर्वपद गौण हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। जैसे-तुलसीदासकृत=तुलसी द्वारा कृत (रचित)

ज्ञातव्य- विग्रह में जो कारक प्रकट हो उसी कारक वाला वह समास होता है। विभक्तियों के नाम के अनुसार इसके छह भेद हैं-

(1) **कर्म तत्पुरुष** - गिरहकट (गिरह को काटने वाला)
(2) **करण तत्पुरुष** - मनचाहा (मन से चाहा)
(3) **संप्रदान तत्पुरुष** - रसोईघर (रसोई के लिए घर)
(4) **अपादान तत्पुरुष** - देशनिकाला (देश से निकाला)
(5) **संबंध तत्पुरुष** - गंगाजल (गंगा का जल)
(6) **अधिकरण तत्पुरुष** - नगरवास (नगर में वास)

३. कर्मधारय समास

जिस समास का उत्तरपद प्रधान हो और पूर्ववद व उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध हो वह कर्मधारय समास कहलाता है। जैसे-

समस्त पद	समास-विग्रह	समस्त पद	समास-विग्रह
चंद्रमुख	चंद्र जैसा मुख	कमलनयन	कमल के समान नयन
देहलता	देह रूपी लता	दहीबड़ा	दही में डूबा बड़ा
नीलकमल	नीला कमल	पीतांबर	पीला अंबर (वस्त्र)
सज्जन	सत् (अच्छा) जन	नरसिंह	नरों में सिंह के समान

४. व्दिगु समास

जिस समास का पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो उसे व्दिगु समास कहते हैं। इससे समूह अथवा समाहार का बोध होता है। जैसे-

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

समस्त पद	समास-विग्रह	समस्त पद	समास-विग्रह
नवग्रह	नौ ग्रहों का मसूह	दोपहर	दो पहरों का समाहार
त्रिलोक	तीनों लोकों का समाहार	चौमासा	चार मासों का समूह
नवरात्र	नौ रात्रियों का समूह	शताब्दी	सौ अब्दो (सालों) का समूह
अठन्नी	आठ आनों का समूह		

५. द्वंद्व समास

जिस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर 'और', 'अथवा', 'या', 'एवं' लगता है, वह द्वंद्व समास कहलाता है। जैसे-

समस्त पद	समास-विग्रह	समस्त पद	समास-विग्रह
पाप-पुण्य	पाप और पुण्य	अन्न-जल	अन्न और जल
सीता-राम	सीता और राम	खरा-खोटा	खरा और खोटा
ऊँच-नीच	ऊँच और नीच	राधा-कृष्ण	राधा और कृष्ण

4. बहुव्रीहि समास

जिस समास के दोनों पद अप्रधान हों और समस्तपद के अर्थ के अतिरिक्त कोई सांकेतिक अर्थ प्रधान हो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। जैसे-

समस्त पद	समास-विग्रह
दशानन	दश है आनन (मुख) जिसके अर्थात् रावण
नीलकंठ	नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव
सुलोचना	सुंदर है लोचन जिसके अर्थात् मेघनाद की पत्नी
पीतांबर	पीले है अम्बर (वस्त्र) जिसके अर्थात् श्रीकृष्ण
लंबोदर	लंबा है उदर (पेट) जिसका अर्थात् गणेशजी
दुरात्मा	बुरी आत्मा वाला (कोई दुष्ट)
श्वेतांबर	श्वेत है जिसके अंबर (वस्त्र) अर्थात् सरस्वती

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

संधि और समास में अंतर

संधि वर्णों में होती है। इसमें विभक्ति या शब्द का लोप नहीं होता है। जैसे- देव+आलय=देवालय। समास दो पदों में होता है। समास होने पर विभक्ति या शब्दों का लोप भी हो जाता है। जैसे-माता-पिता=माता और पिता।

कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अंतर- कर्मधारय में समस्त-पद का एक पद दूसरे का विशेषण होता है। इसमें शब्दार्थ प्रधान होता है। जैसे- नीलकंठ=नीला कंठ। **बहुव्रीहि** में समस्त पद के दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य का संबंध नहीं होता अपितु वह समस्त पद ही किसी अन्य संज्ञादि का विशेषण होता है। इसके साथ ही शब्दार्थ गौण होता है और कोई भिन्नार्थ ही प्रधान हो जाता है। जैसे-नील+कंठ=नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव।

प्रश्न-अभ्यास

(क) निम्नलिखित समस्त पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

(*i*) राजीवलोचन

(क) राजीव के समान लोचन–कर्मधारय समास

(ख) राजीव और लोचन–द्वंद्व समास

(ग) राजीव के लोचन–तत्पुरूष समास

(घ) राजीव जैसे लोचन हैं जिसके–बहुब्रीहि समास

(*ii*) जीवनसाथी

(क) जीवन और साथी–द्वंद्व समास

(ख) जीवन का साथी–तत्पुरूष समास

(ग) जीवन में साथी–तत्पुरूष समास

(घ) जीवन जैसा साथी–कर्मधारय समास

(*iii*) चौमासा

(क) चार मासों का समाहार–द्विगु समास

(ख) चार हैं जो मास–कर्मधारय समास

(ग) चार हैं मास जिसमें–बहुब्रीहि समास

(घ) चार और मास–द्वंद्व समास

(*iv*) मुरलीधर

(क) मुरली का धारी–तत्पुरूष समास

(ख) मुरली धारण की है जिसने–बहुब्रीहि समास

(ग) मुरली और धर–द्वंद्व समास

(घ) मुरली है जो धर–कर्मधारय समास

(v) पाठशाला

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) पाठ और शाला-द्वन्द्व

(ख) पाठ है जो शाला-**कर्मधारय**

(ग) पाठ के लिए शाला-**तत्पुरूष**

(घ) पाठ है जिसका शाला–बहुब्रीहि समास

(ख) निम्नलिखित पदों में कौन-सा समास है-

१. आजीवन

(क) तत्पुरूष समास (ख)द्विगु समास

(ग)अव्ययीभाव समास (घ)कर्मधारय समास

२.देशप्रेम

(क) अव्ययीभाव समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) व्दिगु समास (घ) द्वंद्व समास

३.नीलगगन

(क) द्वंद्व समास (ख) बहुव्रीहि समास

(ग) अव्ययीभाव समास (घ) कर्मधारय समास

४.रूपलता

(क) कर्मधारय समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) बहुव्रीहि समास (घ) व्दिगु समास

५.यथारूचि

(क) कर्मधारय समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) बहुव्रीहि समास (घ) अव्ययीभाव समास

६.चंद्रशेखर

(क) अव्ययीभाव समास (ख) तत्पुरुष समास

(ग) बहुव्रीहि समास (घ) कर्मधारय समास

७.पाप-पुण्य

(क) द्वंद्व समास (ख) बहुव्रीहि समास

(ग) व्दिगु समास (घ) कर्मधारय समास

उत्तर –

(क) १. (क) २. (ख) ३. (क) ४. (ख) ५. (ग)

(ख) १. (ग) २. (ख) ३. (घ) ४. (क) ५. (घ) ६. (ग) ७. (क)

संज्ञा

किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु आदि तथा नाम के गुण, धर्म, स्वभाव का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं। जैसे-श्याम, आम, मिठास, हाथी आदि।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

संज्ञा के प्रकार- संज्ञा के तीन भेद हैं-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा।
2. जातिवाचक संज्ञा।
3. भाववाचक संज्ञा।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष, व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-जयप्रकाश नारायण, श्रीकृष्ण, रामायण, ताजमहल, कुतुबमीनार, लालकिला हिमालय आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा, भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।

3. भाववाचक संज्ञा

जिस संज्ञा शब्द से पदार्थों की अवस्था, गुण-दोष, धर्म आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-बुढ़ापा, मिठास, बचपन, मोटापा, चढ़ाई, थकावट आदि।

<u>विशेष वक्तव्य</u>- कुछ विद्वान अंग्रेजी व्याकरण के प्रभाव के कारण संज्ञा शब्द के दो भेद और बतलाते हैं-

1. समुदायवाचक संज्ञा।
2. द्रव्यवाचक संज्ञा।

1. समुदायवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से व्यक्तियों, वस्तुओं आदि के समूह का बोध हो उन्हें समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-सभा, कक्षा, सेना, भीड़, पुस्तकालय दल आदि।

2. द्रव्यवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा-शब्दों से किसी धातु, द्रव्य आदि पदार्थों का बोध हो उन्हें द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-घी, तेल, सोना, चाँदी,पीतल, चावल, गेहूँ, कोयला, लोहा आदि।

इस प्रकार संज्ञा के पाँच भेद हो गए, किन्तु अनेक विद्वान समुदायवाचक और द्रव्यवाचक संज्ञाओं को जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत ही मानते हैं, और यही उचित भी प्रतीत होता है।

<u>प्रश्न-अभ्यास</u>

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(i) भाववाचक संज्ञा पहचान कर लिखिए-

१.(क) दास (ख) दासता

(ख) पंडित (घ) बंधु

२.(क) बंधुत्व (ख) क्षत्रिय

(ग) पुरुष (घ) प्रभु

३. (क) प्रभुता (ख) पशु

(ग) ब्राह्मण (घ) मित्र

४. (क) बालक (ख) बच्चा

(ग)बचपन (घ) नारी

५. (क) अपना (ख)अपनापन

(ग) निज (घ) पराया

(ii) संज्ञा शब्द पहचान कर लिखिए-

(क) १. मीठा २. मधुर

३. चतुर ४. चातुर्य

(ख) १. सुंदर २. सौंदर्य

३. निर्बल ४. निपुण

(ग) १.सफल २.खट्टा

३.मैला ४.प्रवीणता

(iii) दिए गए संज्ञा शब्द के भेद लिखिए-

(क) मुसकान

१.व्यक्तिवाचक संज्ञा २.समूहवाचक

३. जातिवाचक संज्ञा ४. भाववाचक संज्ञा

(ख) कावेरी

१.व्यक्तिवाचक संज्ञा २.समूहवाचक

३. जातिवाचक संज्ञा ४. भाववाचक संज्ञा

(ग) आसाम

१.व्यक्तिवाचक संज्ञा २.समूहवाचक

३. जातिवाचक संज्ञा ४. भाववाचक संज्ञा

(घ) भीड़

१.व्यक्तिवाचक संज्ञा २.समूहवाचक

३. जातिवाचक संज्ञा ४. भाववाचक संज्ञा

(ड) लकड़ी

१.व्यक्तिवाचक संज्ञा २.द्रव्यवाचक

३. जातिवाचक संज्ञा ४. भाववाचक संज्ञा

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर

(i) १. (ख) २. (क) ३. (क) ४. (ग) ५. (ख)

(ii) (क) 4 (ख) 2 (ग) 4

(iii) (क) 4 (ख) 1 (ग) 1 (घ) 2 (ड) 2

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को सर्वनाम कहते है। संज्ञा की पुनरुक्ति को दूर करने के लिए ही सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।
जैसे-मैं, हम, तू, तुम, वह, यह, आप, कौन, कोई, जो आदि।

सर्वनाम के भेद- सर्वनाम के छह भेद हैं-

1. पुरुषवाचक सर्वनाम।
2. निश्चयवाचक सर्वनाम।
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम।
4. संबंधवाचक सर्वनाम।
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम।
6. निजवाचक सर्वनाम।

1. पुरुषवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता या लेखक स्वयं अपने लिए अथवा श्रोता या पाठक के लिए अथवा किसी अन्य के लिए करता है वह पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है।
पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं-

(1) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम का प्रयोग बोलने वाला अपने लिए करे, उसे उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-मैं, हम, मुझे, हमारा आदि।

(2) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम का प्रयोग बोलने वाला सुनने वाले के लिए करे, उसे मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-तू, तुम,तुझे, तुम्हारा आदि।

(3) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम का प्रयोग बोलने वाला सुनने वाले के अतिरिक्त किसी अन्य पुरुष के लिए करे उसे अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- वह, वे, उसने, यह, ये, इसने, आदि।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम किसी व्यक्ति वस्तु आदि की ओर निश्चयपूर्वक संकेत करें वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। इनमें 'यह', 'वह', 'वे' सर्वनाम शब्द किसी विशेष व्यक्ति आदि का निश्चयपूर्वक बोध करा रहे हैं, अतः ये निश्चयवाचक सर्वनाम है।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम शब्द के द्वारा किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध न हो वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। इनमें 'कोई' और 'कुछ' सर्वनाम शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति अथवा वस्तु का निश्चय नहीं हो रहा है। अतः ऐसे शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

4. संबंधवाचक सर्वनाम

परस्पर एक-दूसरी बात का संबंध बतलाने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग होता है उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। इनमें 'जो', 'वह', 'जिसकी', 'उसकी', 'जैसा', 'वैसा'- ये दो-दो शब्द परस्पर संबंध का बोध करा रहे हैं। ऐसे शब्द संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम संज्ञा शब्दों के स्थान पर तो आते ही है, किन्तु वाक्य को प्रश्नवाचक भी बनाते हैं वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे-क्या, कौन आदि। इनमें 'क्या' और 'कौन' शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं, क्योंकि इन सर्वनामों के द्वारा वाक्य प्रश्नवाचक बन जाते हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम

जहाँ अपने लिए 'आप' शब्द 'अपना' शब्द अथवा 'अपने' 'आप' शब्द का प्रयोग हो वहाँ निजवाचक सर्वनाम होता है। इनमें 'अपना' और 'आप' शब्द उत्तम, पुरुष मध्यम पुरुष और अन्य पुरुष के (स्वयं का) अपने आप का बोध करा रहे हैं। ऐसे शब्द निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

विशेष- जहाँ केवल 'आप' शब्द का प्रयोग श्रोता के लिए हो वहाँ यह आदर-सूचक मध्यम पुरुष होता है और जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग अपने लिए हो वहाँ निजवाचक होता है।

सर्वनाम शब्दों के विशेष प्रयोग

(1) आप, वे, ये, हम, तुम शब्द बहुवचन के रूप में हैं, किन्तु आदर प्रकट करने के लिए इनका प्रयोग एक व्यक्ति के लिए भी होता है।

(2) 'आप' शब्द स्वयं के अर्थ में भी प्रयुक्त हो जाता है। जैसे-मैं यह कार्य आप ही कर लूँगा।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

1. निम्नलिखित वाक्यों में मोटे छपे सर्वनाम शब्दोम के भेद का उचित नाम छाँटकर लिखिए-

१. मैं अपने **आप** काम कर लूँगा।

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (ख) निजवाचक सर्वनाम

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम (घ)संबंधवाचक सर्वनाम।

२.**कुछ** खाकर ही बाहर जाओ।

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम (ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(ग)प्रश्नवाचक सर्वनाम (घ)निजवाचक सर्वनाम

३.**यह** मेरा छोटा भाई कपिल है।

(क)पुरुषवाचक सर्वनाम (ख)संबंधवाचक सर्वनाम

(ग)प्रश्नवाचक सर्वनाम (घ)निजवाचक सर्वनाम

४.**जो** अपना काम पूरा कर लेगा **वही** खेलने जाएगा।

(क)पुरुषवाचक सर्वनाम (ख)संबंधवाचक सर्वनाम

(ग) निजवाचक सर्वनाम (घ)अनिश्चयवाचक सर्वनाम

५.वहाँ कौन खड़ा है?

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (ख) संबंधवाचक सर्वनाम।

(ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम (घ) निजवाचक सर्वनाम

उत्तर-

१. (ख) २. (ख) ३ (ग) ४. (ख) ५. (ग)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

१. **सर्वनाम का सही विकल्प है–**

1

(क) कुछ लोग
(ख) यह व्यक्ति
(ग) कोई बात
(घ) मेरे पास

२. **सर्वनाम 'वह' के प्रकार का सही विकल्प है–**

1

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम
(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(ग) पुरूष वाचक सर्वनाम
(घ) निजवाचक सर्वनाम

२.**मैं** यहाँ कल आया था।

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम (ख) संबंधवाचक सर्वनाम।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम (घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर- १. (घ) २. (ग) ३. (ग)

सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को सर्वनाम कहते है। संज्ञा की पुनरुक्ति को दूर करने के लिए ही सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।
जैसे-मैं, हम, तू, तुम, वह, यह, आप, कौन, कोई, जो आदि।

सर्वनाम के भेद- सर्वनाम के छह भेद हैं-

1. पुरुषवाचक सर्वनाम।
2. निश्चयवाचक सर्वनाम।
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम।
4. संबंधवाचक सर्वनाम।
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम।
6. निजवाचक सर्वनाम।

1. पुरुषवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता या लेखक स्वयं अपने लिए अथवा श्रोता या पाठक के लिए अथवा किसी अन्य के लिए करता है वह पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है।
पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं-

(1) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम का प्रयोग बोलने वाला अपने लिए करे, उसे उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-मैं, हम, मुझे, हमारा आदि।

(2) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम का प्रयोग बोलने वाला सुनने वाले के लिए करे, उसे मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे-तू, तुम,तुझे, तुम्हारा आदि।

(3) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम- जिस सर्वनाम का प्रयोग बोलने वाला सुनने वाले के अतिरिक्त किसी अन्य पुरुष के लिए करे उसे अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- वह, वे, उसने, यह, ये, इसने, आदि।

2. निश्चयवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम किसी व्यक्ति वस्तु आदि की ओर निश्चयपूर्वक संकेत करें वे निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। इनमें 'यह', 'वह', 'वे' सर्वनाम शब्द किसी विशेष व्यक्ति आदि का निश्चयपूर्वक बोध करा रहे हैं, अतः ये निश्चयवाचक सर्वनाम है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम शब्द के द्वारा किसी निश्चित व्यक्ति अथवा वस्तु का बोध न हो वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। इनमें 'कोई' और 'कुछ' सर्वनाम शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति अथवा वस्तु का निश्चय नहीं हो रहा है। अतः ऐसे शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

4. संबंधवाचक सर्वनाम

परस्पर एक-दूसरी बात का संबंध बतलाने के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग होता है उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं। इनमें 'जो', 'वह', 'जिसकी', 'उसकी', 'जैसा', 'वैसा'- ये दो-दो शब्द परस्पर संबंध का बोध करा रहे हैं। ऐसे शब्द संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम संज्ञा शब्दों के स्थान पर तो आते ही है, किन्तु वाक्य को प्रश्नवाचक भी बनाते हैं वे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे-क्या, कौन आदि। इनमें 'क्या' और 'कौन' शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम हैं, क्योंकि इन सर्वनामों के द्वारा वाक्य प्रश्नवाचक बन जाते हैं।

6. निजवाचक सर्वनाम

जहाँ अपने लिए 'आप' शब्द 'अपना' शब्द अथवा 'अपने' 'आप' शब्द का प्रयोग हो वहाँ निजवाचक सर्वनाम होता है। इनमें 'अपना' और 'आप' शब्द उत्तम, पुरुष मध्यम पुरुष और अन्य पुरुष के (स्वयं का) अपने आप का बोध करा रहे हैं। ऐसे शब्द निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

विशेष- जहाँ केवल 'आप' शब्द का प्रयोग श्रोता के लिए हो वहाँ यह आदर-सूचक मध्यम पुरुष होता है और जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग अपने लिए हो वहाँ निजवाचक होता है।

सर्वनाम शब्दों के विशेष प्रयोग

(1) आप, वे, ये, हम, तुम शब्द बहुवचन के रूप में हैं, किन्तु आदर प्रकट करने के लिए इनका प्रयोग एक व्यक्ति के लिए भी होता है।

(2) 'आप' शब्द स्वयं के अर्थ में भी प्रयुक्त हो जाता है। जैसे-मैं यह कार्य आप ही कर लूँगा।

1. निम्नलिखित वाक्यों में मोटे छपे सर्वनाम शब्दोम के भेद का उचित नाम छाँटकर लिखिए-

२. मैं अपने **आप** काम कर लूँगा।

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम
(ख) निजवाचक सर्वनाम
(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम
(घ)संबंधवाचक सर्वनाम।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

२.**कुछ** खाकर ही बाहर जाओ।

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम (ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(ग)प्रश्नवाचक सर्वनाम (घ)निजवाचक सर्वनाम

३.**यह** मेरा छोटा भाई कपिल है।

(क)पुरुषवाचक सर्वनाम (ख)संबंधवाचक सर्वनाम

(ग)प्रश्नवाचक सर्वनाम (घ)निजवाचक सर्वनाम

४.**जो** अपना काम पूरा कर लेगा **वही** खेलने जाएगा।

(क)पुरुषवाचक सर्वनाम (ख)संबंधवाचक सर्वनाम

(ग) निजवाचक सर्वनाम (घ)अनिश्चयवाचक सर्वनाम

५.वहाँ कौन खड़ा है?

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम (ख) संबंधवाचक सर्वनाम।

(ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम (घ) निजवाचक सर्वनाम

उत्तर-

२. (ख) २. (ख) ३ (ग) ४. (ख) ५. (ग)

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

१. **सर्वनाम का सही विकल्प है–**

1

(क) कुछ लोग

(ख) यह व्यक्ति

(ग) कोई बात

(घ) मेरे पास

२. **सर्वनाम 'वह' के प्रकार का सही विकल्प है–**

1

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम

(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(ग) पुरूष वाचक सर्वनाम

(घ) निजवाचक सर्वनाम

२.**मैं** यहाँ कल आया था।

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम (ख) संबंधवाचक सर्वनाम।

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम (घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम

उत्तर- १. (घ) २. (ग) ३. (ग)

परसर्ग 'ने' का क्रिया पर प्रभाव

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

प्रश्न अभ्यास

(अ) निम्नलिखित वाक्यों में से परसर्ग 'ने' सहित सही वाक्य चुनकर लिखिए –

(क) 1. माता जी दोपहर का भोजन तैयार करती हैं।
2. माता जी ने दोपहर के भोजन की तैयारी की।
3. माता जी भोजन तैयार करती हैं।
4. माता जी ने दोपहर का भोजन तैयार करती हैं।

(ख) 1. मैं आमतौर पर अपनी चाय खुद बनाता हूँ।
2. मैं आमतौर पर अपनी चाय खुद ने बनाता हूँ।
3. मैंने आमतौर पर अपनी चाय खुद बनाता हूँ।
4. मैंने आमतौर पर अपनी चाय खुद बनाई है।

(ग) 1. मैं वर्षा का आनंद लेता हूँ।
2. वर्षा का आनंद लेता हूँ।
3. मैने वर्षा का आनंद लेता हूँ।
4. मैंने वर्षा का आनंद लिया।

(घ) 1. वह मुझसे बोला कि वर्षा हो रही है।
2. वह बोला कि वर्षा हो रही है।
3. वह मुझे बोला कि वर्षा हो रही है।
4. उसने मुझसे कहा कि वर्षा हो रही है।

(ड.) 1. अगले दिन अधिकारी ने सुरक्षा–प्रबंध करेगा।
2. अगले दिन अधिकारी ने सुरक्षा–प्रबंध किया।
3. अधिकारी सुरक्षा–प्रबंध करेगा।
4. अगले दिन अधिकारी सुरक्षा–प्रबंध करता।

(च) 1. मिस्त्री काम ने जुट गया।
2. मिस्त्री काम में जुट गया।
3. मिस्त्री ने काम में जुट गया।
4. मिस्त्री ने काम में मन लगाया।

(छ) 1. मैं खुद को समर्थ पाता हूँ।
2. मैंने खुद को समर्थ पाया।
3. मैंने खुद को समर्थ पाता हूँ।
4. खुद को समर्थ पाता हूँ मैं।

(ज) 1. वह नित्य सैर करता है।
2. नित्य सैर करता है।
3. वह ने नित्य सैर करता है।
4. उसने नित्य सैर किया है।

उत्तर-

क. (२) ख. (४) ग. (४) घ. (४) ड. (२) च. (४) छ. (२) ज. (४)

(ब) निम्नलिखित वाक्यों में परसर्ग 'ने' के प्रयोग से वाक्यों में जो परिवर्तन आया है, उसके परिवर्तित रूप का सही विकल्प चुनकर लिखिए –

1. मैं रोटी बनाती हूँ।
   (क) मैंने रोटी को बनाई थी। (ख) मैंने रोटी बनाई।
   (ग) मैंने रोटी बना लिया है। (घ) मैंने रोटी बनाया था।
2. मैंने एक लड़का देखा।
   (क) मैंने एक लड़का को देखा। (ख) मैंने एक लड़का को देखी।
   (ग) मैंने एक लड़के को देखा। (घ) मैंने एक लड़की को देखी।
3. छात्र पाठ याद कर चुका है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) छात्र ने पाठ याद किया (ख) छात्र ने पाठ याद कर लिया।
(ग) छात्र ने पाठ याद कर लिया है। (घ) छात्र ने पाठ याद कर लिया होगा।

4. गाय दूध देती है।
(क) गाय ने दूध दिया। (ख) गाय ने दूध दिलवाया।
(ग) गाय ने दूध को दिया। (घ) गाय ने दूध नहीं दिया।

5. वह फल खा चुका है।
(क) उसने फल खाया है। (ख) उसने फल खा लिए थे।
(ग) उसने फल खा लिए होंगे। (घ) उसने फल खा लिए हैं।

उत्तर-

क. (२) ख. (३) ग. (३) घ. (१) ड. (२)

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com